प्रभात खबर
जमशेदपुर, रविवार
26.09.2021 | 02

सरायकेला-खरसावां

गम्हरिया. इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन संस्थान में सम्मान समारोह, चंपई बोले

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर होगी

राज्य की हेमंत सरकार शिक्षा के प्रति संवेदनशील

[illegible] का भी विकास हो सके. इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन के निदेशक [illegible] ने स्वागत भाषण दिया. कहा कि कोविड के कारण पिछले डेढ़ वर्ष से पठन-पाठन बाधित था. सरकार के दिशा निर्देश के आलोक में अब चालू हुआ है. छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. छात्राओं ने गीत नृत्य से समा बांधा. कार्यक्रम में शिक्षा, कला, खेलकूद, स्वच्छता के विजेता प्रतिभागियों को मंत्री ने पुरस्कृत किया. कार्यक्रम में मंच संचालन ज्योति दास ने किया. मौके पर प्रिंसिपल स[illegible] सिन्हा के अलावे झामुमो जिलाध्यक्ष शुभेंदु महतो, झामुमो नेता सोना बोदरा, सौरभ साहू, लीपू महांती, [illegible] आचार्य के अलावे कई उपस्थित थे

[illegible] समारोह
एवं
वृक्षारोपण कार्यक्रम

जोहार

अग्निपुराण में पौधारोपण को एक पवित्र मांगलिक समारोह के रूप में बताया गया है। पर्यावरण को सुरक्षित और संतुलित रखने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। अतः आज हमारे महाविद्यालय के प्रांगण में सम्मान समारोह एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री चंपाई सोरेन, मंत्री अनुसूचित जनजाति, जाति, अल्पसंख्यक विभाग एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं परिवहन विभाग, झारखण्ड सरकार।

मुख्य अतिथि –

माननीय श्री चंपाई सोरेन जी: [signature]

विशिष्ट अतिथि:

आर. एन. माधवी मोहन्ती [signature]

कोषाध्यक्ष

किंशुक मोहन्ती [signature]

प्रधानाचार्य

स्वीटी सिन्हा [signature] 25/9/21

स्वच्छता की शपथ दिलाई गई

जमशेदपुर। इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन कॉलेज में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा मनाते हुए शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने पूरे कॉलेज परिसर की साफ-सफाई की. इसके साथ ही सभी ने यह शपथ ली कि अपने आस-पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए रोगमुक्त समाज का निर्माण करेंगे. अभियान के अंतर्गत पूरे कॉलेज परिसर में झाड़ू लगाया गया.

1st October.

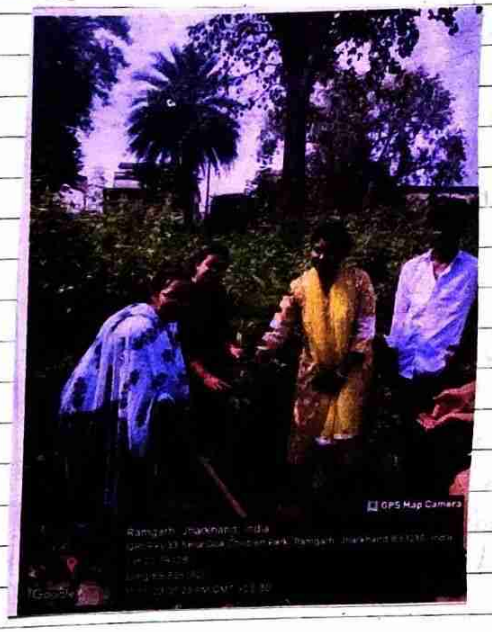

(स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन)

स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर कॉलेज परिसर में साफ-सफाई कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर के सभी शिक्षक-गण, विद्यार्थी तथा गैर शैक्षिक कर्मचारी भी मौजूद रहे तथा सभी ने महाविद्यालय के रखरखाव एवं सफाई के लिए शपथ ग्रहण भी किया। इस अवसर पर पौधा-रोपण, झाड़ू ब्लिचिंग पाउडर इत्यादि से साफ-सफाई करवाई गई। इस अवसर पर कॉलेज परांगण में पूरे 1 घंटे तक सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

Teacher's Name	Signature
Mr. Om Prakash	[signature]
Mrs. Saraboni Mukherjee	[signature]
Ms. Suman Kumari	Suman
Mrs Madhu Kumari	[signature]
Ms. Bandana Kumari	Bandana

इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन में मेरी माटी -मेरा देश कार्यक्रम का हुआ आयोजन...

सरायकेला: संजय मिश्रा (इस्पात मेल , चमकता आईना)

सरायकेला। इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन सरायकेला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एनएसएस के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने घर से मिट्टी लाकर कलश में एकत्रित किया। साथ ही चावल भी कलश में एकत्रित किया। इसके बाद पंच प्रण की प्रतिज्ञा लेकर एक रैली का आयोजन किया गया। जिसके बाद कॉलेज परिसर में पौधारोपण करते हुए लगभग 100 पौधों का रोपण किया गया।

एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी प्रो ओम प्रकाश की देखरेख में संपन्न हुए उक्त कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की प्राचार्या डॉ स्वीटी सिन्हा, कोषाध्यक्ष किंसुक महंती सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं प्रो सुमन कुमार, प्रो श्रावणी मुखर्जी, प्रो इंदु, प्रो सिक्की, प्रो वंदना कुमारी, प्रो माधुरी कुमारी, प्रो अंशु मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने पंच प्रण को याद कर राष्ट्रीय गान गाया।

"Meri Mati Mera Desh" program promotes environmental awareness at Institute for Education

Mail News Service

Seraikela, Oct 5: The Institute for Education in Seraikela organized a meaningful "Meri Mati Mera Desh" program, aimed at instilling a sense of environmental responsibility and national pride among its students. The event witnessed the enthusiastic participation of NSS (National Service Scheme) volunteers who actively contributed to the activities.

As part of this program, NSS volunteers brought soil from their respective homes, symbolizing their connection to their homeland. This soil was collected in an urn, signifying unity and togetherness. Additionally, rice was also collected in the urn, symbolizing the importance of agriculture in our nation's development.

The program further included a rally where participants took the pledge of "Panch Pran," a commitment to five essential principles. Following the rally, approximately 100 saplings were planted in the college campus, underlining the importance of environmental conservation and sustainability.

This initiative was conducted under the supervision of NSS program in-charge Prof. Om Prakash and received active support and participation from college principal Dr. Sweety Sinha, treasurer Kinsuk Mahanti, and a team of dedicated teachers including Prof. Suman Kumar, Prof. Shravani Mukherjee, Prof. Indu, Prof. Sikki, Prof. Vandana Kumari, Prof. Madhuri Kumari, and Prof. Anshu.

The program concluded with a collective remembrance of the "Panch Pran" principles and the singing of the national anthem. (w/nkm)

5.10.2023 इंस्टीट्यूट फॉर एडुकेशन में मेरी माटी - मेरा देश कार्यक्रम संपन्न किया गया।

आज दिनांक 05-10-2023 को इंस्टीट्यूट फॉर एडुकेशन सरायकेला में मेरी माटी - मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एन० एस० एस० के स्वयं सेवकों ने अपने - अपने घर से मिट्टी ला कर कलश में एकत्रित किया साथ ही चावल भी उस कलश में एकत्रित किया। इसके बाद पंच प्रण की प्रतिज्ञा ले कर एक रैली का आयोजन किया गया। रैली के आयोजन के बाद सभी ने कॉलेज परिसर में आ कर लगभग 100 पौधा का रोपण किया। समस्त कार्यक्रम एन० एस० एस० कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो० ओम प्रकाश के देख - रेख में किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की प्राचार्या डॉ० स्विटी सिन्हा, कॉलेज के कोषाध्यक्ष श्री किंशुक मेहती सहित समस्त शिक्षिकाएँ प्रो० सुमन कुमारी, प्रो० श्रावणी मुखर्जी, प्रो० इंदु कुमारी, प्रो० सिम्की कुमारी, प्रो० वंदना कुमारी, प्रो० माधुरी कुमारी, प्रो० अंशु कुमारी मौजूद रहीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पंच प्रण को याद कर राष्ट्रीय गान गाया।

पृथ्वी बचाओ ऊर्जा बचाओ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

गणादेश ब्यूरो

सरायकेला: इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन महाविद्यालय में पृथ्वी बचाओ ऊर्जा बचाओ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि जुस्को जमशेदपुर के पूर्व उप महाप्रबंधक मनमोहन सिंह, विशिष्ट अतिथि कोल्हन विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ शुक्ला मोहंती, संस्थान के निदेशक आरएन मोहंती एवं सचिव श्रीमती डॉ स्वीटी सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षिका श्रीमती श्रावणी मुखर्जी की अध्यक्षता में आयोजित उक्त संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि द्वारा कहा गया कि मानव अपनी सुविधा के लिए प्रकृति को नुकसान पहुंचा चुके हैं। और मानव ही अपने प्रयास मात्र से एकजुट होकर यदि छोटी–छोटी बातों का ध्यान जीवन में रखें तो आने वाले समय में परिस्थितियां पुनः स्वच्छ वातावरण और ऊर्जा पूर्ण जीवन का हो सकता है।

डॉ शुक्ला मोहंती ने प्रकृति की सुरक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने की अपील की। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण कर कार्य का शुभारंभ करते हुए आसपास के गांव को भी सुरक्षित करने का संकल्प लिया गया। संगोष्ठी में बेहतर विचार व्यक्त करने वाले छात्र राज मद्धेशिया, रामू सिंह, सीमा उरांव एवं तपन कुमार आचार्य को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मौके पर शिक्षक शिक्षिकाओं में ओम प्रकाश, इंदु कुमारी, सुमन कुमारी, माधुरी कुमारी, वंदना कुमारी, सिक्की कुमारी, पुष्पा कुमारी, रंजनी कुमार, मनोज कुमार दास एवं आशित महापात्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रभात खबर – 19.04.2023

संगोष्ठी में प्रतिभागियों को बताये गये ऊर्जा संरक्षण के लाभ

प्राकृतिक संतुलन को बचाने की जरूरत

संगोष्ठी में शामिल अतिथि व अन्य.

आदित्यपुर. कोल्हान विश्वविद्यालय से संबद्ध इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन में मंगलवार को पृथ्वी बचाओ ऊर्जा बचाओ की अवधारणा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इसमें प्रतिभागियों ने ऊर्जा संरक्षण से होने वाले फायदों के बारे में बताया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व उप महाप्रबंधक जुस्को मनमोहन सिंह, कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ शुक्ला महंती, संस्थान के निदेशक डॉ आरएन महंती उपस्थित थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रावणी मुखर्जी व धन्यवाद ज्ञापन स्वीटी सिन्हा ने किया. वक्ताओं ने कहा कि हम अपने फायदे के लिए लगातार प्रकृति का दोहन कर रहे हैं, इससे हमारी पृथ्वी के लिए संकट बढ़ता जा रहा है. प्राकृतिक असंतुलन की स्थिति पैदा हो रही है. इससे बचाव के लिए सभी जरूरी कदम उठाने की आवश्यकता है. इस मौके पर ओम प्रकाश, इंदु, सुमन, माधुरी, वंदना आदि उपस्थित थे.

संगोष्ठी

दिनांक 18/04/2023

पृथ्वी बचाओ ऊर्जा बचाओ

"मत करो धरती पर तुम सब अत्याचार
क्योंकि यही तो है हमारी सांसो का आधार"

पृथ्वी ब्रह्मांड में सबसे अनमोल वस्तु है। यह जीवन की निरंतरता के लिए सभी आवश्यक आधारभूत संसाधनों से भरी हुई है। परन्तु मनुष्य के अनैतिक व्यवहार के कारण लगातार नष्ट हो रही है। पृथ्वी बचाओ अभियान मनुष्य ने खुद पृथ्वी पर जीवन को संकट में डाल रहा है। जिससे उत्पन्न हुई अनुकूल वातावरण की कमी के कारण बहुत से जानवर, पौधे, जीव-जन्तु विलुप्त हो रहे हैं। अनेक प्रदूषण और प्रकोप के कारण पृथ्वी बचाओ ऊर्जा बचाओ जैसे मुद्दों पर जागरूक होकर कार्य करने की आवश्यकता हो रही है। दिनांक 18/04/2023 को संगोष्ठी में इसी मुद्दों पर विचारों को व्यक्त कर उसके हल का एक प्रयास है।

मुख्य अतिथि

हस्ताक्षर

श्री मनमोहन सिंह
(पूर्व उप महाप्रबंधक, जुस्को, जमशेदपुर

श्रीमती डॉ० शुक्ला मोहंती
(पूर्व कुलपति, कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा)

श्री आर० एन० मोहंती
(निदेशक, इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन)

श्रीमती डॉ० स्वीटी सिन्धु
(सचिव, इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन)

64

CHAMAKTA AAINA-22.06.2023

यूथ फॉर एजुकेशन महाविद्यालय ने मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस...

सरायकेला। इंस्टिट्यूट एजुकेशन महाविद्यालय में वसुदेव कुटुंबकम के मूल मंत्र के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं और शिक्षक शिक्षिकाओं ने बढ़-चढ़कर योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लिया। मौके पर योग के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि शरीर को स्वस्थ और कांतिमय बनाने के लिए नियमित योगाभ्यास आवश्यक है।

सरायकेला : यूथ फॉर एजुकेशन महाविद्यालय ने मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस... सरायकेला (संजय कुमार)

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

वसुधैव कुटुम्बकम्

21/6/23

योग दिवस के 9वें संस्करण के मौके पर इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन महाविद्यालय में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देते हुए योग की भूमिका को स्वीकार कर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्राचीन भारत से उत्पन्न केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि एक समग्र अभ्यास है। इसकी मदद से मन और आत्मा को शांति की ओर ले जाता है। योग आंतरिक शांति और व्यक्तिगत विकास का मार्ग प्रदान करता है। योग मानसिक स्पष्टता को बढ़ाता है, आंतरिक शांति की भावना पैदा करता है। योग ध्यान, आत्म जागरूकता और करुणा को प्रोत्साहित करता है, हमारे संबंधों को पोषण देता है।

मुख्य अतिथि

श्री आर० एन० मोहंती
(निदेशक, इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन)

[signature]

इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

सरायकेला कार्यालय 28 जुलाई : सरायकेला अंचल के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत नारायणपुर पंचायत के विजय ग्राम स्थित इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन बी-एड कॉलेज में गुरुवार को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के मौके पर संस्थान के निदेशक आरएन मोहंती एवं सचिव डॉ स्वीटी मिन्ता की अगुवाई में सेमिनार का आयोजन किया गया. एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी ओमप्रकाश के संरक्षण में संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन किया गया. कार्यक्रम के तहत एनएसएस यूनिट एक एवं यूनिट 2 के छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण कैसे करें और विश्व को पर्यावरण प्रदूषण से कैसे बचाएं इसकी विस्तृत जानकारी दी गई. छात्र छात्राओं को वृक्षारोपण के महत्व पर जानकारी देते हुए बताया गया कि पर्यावरण के संरक्षण का एकमात्र उपाय वृक्षारोपण है. मौके पर सभी छात्र छात्राओं ने मिलकर एक एक पौधा रोपण करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया. कार्यक्रम को सफल बनाने में वंदना शर्मा श्रावणी मजूमदार माधुरी कुमारी क्षमता कुमारी समय संस्थान के सभी छात्र शामिल थे.

28/7/22

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई को मनाया जाता है। वर्तमान परिपेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव जंतु एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं। विलुप्त होते जीव जंतु और वनस्पति की रक्षा का विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर संकल्प लेना ही इसका उद्देश्य है।

जल, जंगल और जमीन, इन तीन तत्वों के बिना प्रकृति अधूरी है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस 2022

थीम :- इस वर्ष विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का विषय "प्लास्टिक पर कट डाउन" है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का उद्देश्य स्वस्थ पर्यावरण के लिए प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना है जो कि स्थिर और समृद्ध मानव जाति के लिए आवश्यक है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस इस बात को स्वीकार करता है कि एक स्वस्थ पर्यावरण एक स्थिर और स्वस्थ समाज की नींव है।

मुख्य अतिथि

श्री आर० एन० मोहंती
(निर्देशक, इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन)

हस्ताक्षर

स्वच्छता की शपथ दिलाई गई

जमशेदपुर। इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन कॉलेज में रविवार को स्वच्छता पखवाड़ा मनाते हुए शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने पूरे कॉलेज परिसर की साफ-सफाई की. इसके साथ ही सबों ने यह शपथ ली कि अपने आस-पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए रोगमुक्त समाज का निर्माण करेंगे. अभियान के अंतर्गत पूरे कॉलेज परिसर में झाड़ू लगाया गया.

इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन में फिट इंडिया फ्रीडम दौड़ 4.0 का आयोजन

[illegible]